BHAKTI & SUFI MOVEMENTS

Main features of Bhakti Movements —

1) अनुष्ठानों और बलिदानों को त्याग दिया।
2) अद्वैतवाद संबंधी
3) ईश्वर का या तो आकार है या निराकार है।

- आकार → सगुण
  - शिव → (followers) नयनार
  - विष्णु → (followers) अलवर → 1st female alvar : Andal (prefounder of Bhakti movement)
- निराकार → निर्गुण

Bhakti Movements — → Atma is part of Brahman

Philosophy		founder
विशिष्ट अद्वैत	—	रामानुज आचार्य
द्वैतअद्वैत / भेदअभेद	—	निम्बक आचार्य } profounder (south india)
द्वैत → Dualism	—	माधव आचार्य } profounder (south india)
शुद्धअद्वैत	—	वल्लभाचार्य
अद्वैत → non-dualism	—	श्री शंकराचार्य जी

शुद्धअद्वैत → world is realstic
Idolistic worship

श्री शंकराचार्य जी → ये दुनिया और जीवन मिथ्या है।
did not believe in idol worship.

PARMAR SSC

Bhakti Movements Saints —

रामानुज आचार्य —

विशिष्टवाद के संस्थापक
(1017-1137 AD)

रामनन्द —

निर्गुण शाखा से संबंधित from north india
शिष्य - कबीर दास

कबीरदास —

रामनन्द के शिष्य
कबीर के दोहे ⟶ हिन्दू व मुस्लिम धर्म की आलोचना करते हैं।
निर्गुण शाखा से संबंधित

गुरु नानक —

(1469-1538 AD)
निर्गुण शाखा से संबंधित

चैतन्य —

(1486-1533 AD)
King of Gaudiya
Profounded Bhakti movement in Bengal ⟶ Bengal Vaishnavism.

विद्यापति —

Composed पदावली ⟶ Love ballads of Radha and Krishna

पुरंदर दास —

कार्नेटिक music के पिता
‖
South indian music
Belonged from Karnatka

वल्लभाचार्य —

gave शुद्धअद्वैतवाद सिद्धांत
gave the philosophy of पुष्टि मार्ग
He said : Vishnu is अवतार of ⟶ कृष्णा ⟶ राम के अवतार

PARMAR SSC

मीराबाई —

(1498 – 1546)

राणा सांगा की ~~पुत्री~~ (मेवाड़) बहू

She was a Rathaur Princess

कृष्ण की भक्त → अपना पूरा जीवन कृष्ण की भक्ति में लगाया।

सूरदास —

(1483– 1563)

वह अंधे थे।

Belonged to Agra

अपनी पूरी जिंदगी कृष्ण की भक्ति में लगाया।

तुलसीदास —

राम के भक्त

प्रसिद्ध रचनाऐं = रामचरितमानस
कवितावली
गीतावली

दादू दयाल —

भक्ति सन्त = निर्गुण भक्ति शाखा से

दादू पन्थ के संस्थापक

शंकरदेव —

असम में भक्ति आंदोलन फैलाया

founder of सतरिया डांस

He gave बोरगीत

त्यागराज —

तमिलनाडु से

राम के भक्त

Bhakti Saints Of Maharastra —

ज्ञानेश्वर / ज्ञानदेव —

founder of Bhakti Movement in Maharastra.

wrote commantry on Bhagvat Gita —— भवार्थदीपिका

PARMAR SSC

founder of — Varkari Sect
(1270-1350 AD) ↓ Vithal = Vishnu

E एकनाथ —
wrote = भावार्थ रामायण (1533-1599 AD)

तुकाराम —
wrote = अभंग → भगवान को समर्पित गीत (1598-1650 AD)

रामदास —
(1608-1681 AD)
wrote : दासबोध → compilation of his sermons

Sikh Gurus —

1) गुरु नानक देव —
खतरी
guru from 1469 to 1539
Born = तालवण्डी
Death = करतारपुर
He started Langar system
3 things started to abolish untouchability
लंगर = community Kitchen
पंगत = eating
संगत = decision making

2) गुरु अंगद देव —
guru from 1539 to 1552
introdused - गुरुमुखी script

3) गुरु अमरदास साहिब —
guru from 155 to 1574
Contemporary of Akbar
समकालीन

PARMAR SSC

गुरु रामदास —

Guru from 1574 to 1581

founder of अमृतसर

गुरु अर्जुन देव —

Guru from 1581 to 1606

Compiled आदि ग्रंथ

Completed the construction of Golden Temple

He was executed by Jahangir.

↓

beautification by Raja Ranjit Singh

गुरु हरगोविन्द साहिब —

Guru from 1606 to 1644

He created अकाल तख्त (1609)

गुरु हरकृष्ण साहिब —

Guru from 1661 to 1664

Contemporary to Aurangzeb

गुरु हर राई साहिब —

Guru from 1644 to 1661

Contemporary to Aurangzeb

गुरु तेग बहादुर साहिब —

Guru from 1665 to 1675

Prosecuted by Aurangzeb

गुरु गोविन्द सिंह साहिब —

Guru from 1675 to 1708

The last guru

He started खालसा पंथ

PARMAR SSC

SUFI MOVEMENT

Origin

काफिर → दार-उल-काफिर

Land of ~~काफिर~~ (where only Hindu Stayed)

↓ converted to

Land of इस्लाम — Dar-ul-Herb

How?

Through जिहाद (religious war)

जो जिहाद करता है। → मुजाहिद (attains jannat on Jihad)

ख्वाजा अली हुजविरी

11th century

Also Known as डाटा गंज बख्श

शेख बहाउद्दीन जकरिया

(1182 to 1262)

founder of सुहरा-वर्दी order

founded the leading - खानकाह - indian at multan

ख्वाजा मुईनिद्दीन चिश्ती

founder of the चिश्ती order

Other Saints of Chisti Order

शेख हामिउद्दीन नगौरी (1192-1274)

ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी

↓

शिष्य = कुतुबुद्दीन

ऐबक started कुतुबमीनार on his name (1206)

PARMAR SSC

बाबा फरिउद्दीन / गंज-ए-शंकर —

(1175 - 1265 AD)
बाबा फरीद के नाम से प्रसिद्ध ।

शेख निजामुद्दीन औलिया —

(1236- 1325 AD)
महबूब-ए- इलाही नाम से प्रसिद्ध ।

सय्यद मोहम्मद गेसू दराज —

बन्दनवाज से प्रसिद्ध

शेख बदरुद्दीन समरकन्दी —

founded फिरदौसी के Order

SUFI WORDS AND THEIR MEANING —

तसाव्वुफ — सूफीज्म
शेख / पीर / मुर्शिद — आध्यात्मिक शिक्षक
मुरीद —
खलीफा — उ
खनकाह — वे स्थान जहाँ सूफी गुरुओ ने अपनी सभाएँ आयोजित की
समा —
रक्सा — नाच
फना — खुद ही में खो जाना
जियारत — तीर्थ यात्रा

- मध्ययुगीन सूफी परंपरा के संदर्भ में -'वाली' शब्द का अर्थ = भक्त
- 'समा' शब्द का अर्थ = पवित्र गीतो का पाठ
- भगवत गीता का सर्वप्रथम अंग्रेजी में अनुवाद = चार्ल्स विल्किंस
- 19वीं शताब्दी में, मध्य भारत में सतनामी आंदोलन = गुरु घासीदास
- तानसेन किसके शिष्य थे = गुरु हरिदास
- गुरु रविदास को - मोची संत के रुप में जाना जाता है।
- नाथपंथीयों, सिद्धों और योगियों ने भक्ति धर्म को पूर्वी भारत में लोकप्रिय बना
- पंजाब, भारत में निराकार के रुप में भगवान की पूजा पर जोर दिया =